गीता कोचर

अंक ज्योतिष और शिक्षा

शिक्षा मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। हर माता–पिता का सपना होता है कि उनकी संतान को सही मार्गदर्शन मिले, जिससे वे जीवन मे अच्छी शिक्षा के साथ–साथ उचित कार्यक्षेत्र भी पा सकें। आधुनिक समय मे हर व्यक्ति इसके प्राप्त बहुत सजग है, इसीलिए ज्योतिष द्वारा मार्गदर्शन लेना बहुत सामान्य सी बात हो गई है। ज्योतिष एक बहुत ही विस्तृत विषय है और उसी का एक छोटा सा प्रारूप है अंकशास्त्र। जातक जानना चाहता है कि शिक्षा कैसी होगी या किस विषय मे होगी, परन्तु एक अंकशास्त्री होने के कारण, इस विषय को अंकों के माध्यम से समझने की कोशिश करते हैं :

अंक शास्त्र में केवल 9 अंकों का खेल है, परंतु यही 9 अंक सम्पूर्ण ब्रह्मांड को स्वयं में समाए हुए हैं। अंक 3 गुरु का, अंक 7 केतु का और अंक 5 बुध का प्रतिनिधित्व करता है। 3, 7, 5 अंक शिक्षा के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक हैं, परंतु इनकी रूपरेखा तैयार होती है अंक 4, 9 और 2 से। ये तीनो अंक मिलकर ज्ञान की कड़ी तैयार करते हैं। अंक शास्त्र की भाषा मे इसे बुद्धिमत्ता के अंक कहा गया है।

ज्योतिष में गुरु (3) को ज्ञान का कारक माना गया है, केतु (7) ज्ञान को गहराई से जानने–समझने का कारक है और जब बुध (5) को इन दोनों का साथ मिलता है तो व्यक्ति अपनी बुद्धिमता का पूर्ण तथा उचित उपयोग करता है।

4, 9 और 2 वे तीन अंक हैं जो मिलकर एरो ऑफ इंटेलिजेंस का निर्माण करते हैं। इसे बुद्धिमता को बनाने वाला योग भी कहा जाता है। 4 का अंक हमें बौद्धिक क्षमता के साथ–साथ विवेक की शक्ति देता है, जिससे हम सही–गलत को पहचान कर जीवन में अपने कार्यों को सही परिणाम तक ले जा पाते हैं। 9 का अंक हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाकर आगे बढ़ाने में मदद करता है। 2 का अंक हमारे मन के साथ देने से संबंधित है। 4 और 9 का प्रभाव तब ही मिलता है, जब 2 का भी साथ हो। ये तीनों मिलकर एक बुद्धिमता के एरो का निर्माण करते हैं, जिससे व्यक्ति में शिक्षा प्राप्त करने के गुण विद्यमान होने के संकेत मिलते हैं। योग के फलीभूत होने के लिए सही दशा का भी बहुत महत्त्व है।

उपरोक्त वर्णित अंकों द्वारा योग निर्मित न होने पर भी कई बार सफलता और उच्च शिक्षा देखने को मिलती है। ऐसे में 9, 5 और 1 योग विद्यमान होता है। यह योग व्यक्ति की इच्छा शक्ति को इतना मजबूत कर देता है कि व्यक्ति अपने लक्ष्य को पाने के लिए हर संभव प्रयास करता है और अंततः सफल भी होता है।

निष्कर्षतरू उच्च शिक्षा और सफलता के लिए 4, 9, 2, 5, 1 और 3, 7 की उपस्थिति को आकलन अवश्य करना चाहिए।

शिक्षा का स्तर और विषय का चुनाव निम्न अंको पर निर्भर करता है, जैसे

4, 9, 2 + 3 ,7 = A+

4, 9, 2 + 3 या 7 = A ग्रेड

4, 9, 2 + 3, 7 (यदि कोई 2 न हों) = B ग्रेड

विषय जानने के लिए :

- साइंस के लिए राहु, मंगल और चन्द्र, अर्थात् 4, 9 और 2 के साथ गुरु (3) या केतु (7) का सहयोग आवश्यक होता है।
- वाणिज्य के लिए बुध और शनि का सहयोग।
- जीव विज्ञान के लिए शुक्र का सहयोग।
- कंप्यूटर्स के लिए राहु और शनि का सहयोग।
- फैशन या होटल इंडस्ट्री के लिए चंद्र और शुक्र का सहयोग।

इसके अतिरिक्त कुछ योग भी संकेत देते हैं कि क्या शिक्षा हो सकती जैसे 1 व 7 साइंस, 1 व 9 या 3 व 9 = वकालत या कोई साहित्य। इसी प्रकार अलग–अलग क्षेत्रो को समझा और अपनाया जाता है।

उदाहरण – 1 भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी, जन्मतिथि 26. 09.1932 ।

9, 5, 10 तथा 5, 8 का संबंध उन्हें फाइनेंस और इकोनॉमिक्स से जोड़ता है।

	99	22
3	5	
8	1	6

उदाहरण – 2 भूतपूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज जी, जन्मतिथि 14.02. 1952।

4	9	2
	55	
	11	6

4, 9, 2 और 9, 5, 1 के होने से एक अच्छी वकील और वक्ता बनती है ।

इसी आधार पर जातक के लिए अंक शास्त्र के माध्यम द्वारा सही दिशा का चुनाव करके उनके लिए एक उज्ज्वल भविष्य की कामना की जा सकती है।

पता : डी–292, ग्राउंड फ्लोर
दीप मेमोरियल स्कूल के पास
रामप्रस्थ, गजियाबाद
दूरभाष : 9650035117

कार्नेलियन एवं लाजावर्त मणि

कार्नेलियन के चिकित्सीय गुण : *Healing Ability Of Carnelian* इसे धारण करने से शरीर के घाव जल्दी भरते हैं और शरीर से खून कम बहता है. रक्त संबंधी अन्य विकारों में यह उपरत्न सहायक होता है. यह जातक के अंदर शारीरिक शक्ति का भी पूर्ण रुप से विकास करता है।

लाजावर्त मणि या पत्थर तीनों क्रूर ग्रहों (शनि, राहु और केतु) के दोषों और कुप्रभावों को भी खत्म करता है। व्यक्ति घटना, दुर्घटनानों से बच जाता है। इससे सभी तरह का काला जादू और किया–कराया समाप्त हो जाता है। यह मणि पितृदोष को भी समाप्त कर देती है।

कहते हैं कि इससे नौकरी या व्यवसाय में आ रही अड़चने भी दूर होती है। विद्यार्थियों के लिए यह आत्मविश्वास बढ़ाने वाला माना जाता है। इसको धारण करने से तनाव या अवसाद कम होता है।

**प्राप्त करने के लिए संपर्क करें : फ्यूचर पॉइंट, ए–3, रिंग रोड, साउथ एक्स पार्ट–1, नयी दिल्ली
दूरभाष : 011–40541000, 40541020**